भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

23.07.2015 को राज्य सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 323

कलपाक्कम में फास्ट रिएक्टर फ्यूल साईकिल और ईंधन प्रसंस्करण

323. **डा. वी. मैत्रेयन :**

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) **क्या सरकार की फास्ट रिएक्टर फ्यूल साईकिल फैसिलिटि (एफ.आर.एफ.सी.एफ.) और डीमोन्स्ट्रेशन फ्यूल रीप्रोसेसिंग प्लांट, आई.जी.सी.ए.आर., कलपाक्कम को विकेन्द्रीकृत करने और उसमें तेजी लाने की योजना है;**

(ख) **यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और अब तक कुल कितनी निधि निर्धारित, आबंटित और संवितरित की गई है;**

(ग) **क्या परियोजना के कार्यान्वयन में कोई विलम्ब हुआ है क्योंकि इसमें परमाणु ऊर्जा आयोग बोर्ड और अन्य विनियामक अभिकरणों का अनुमोदन अपेक्षित है; और**

(घ) **यदि हाँ, तो परियोजना की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है और परियोजना को कब तक शुरु किया जाएगा तथा परमाणु ऊर्जा उत्पादन के कब तक प्रारंभ होने की संभावना है?**

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) तथा (ख) **कलपाक्कम स्थित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) में ईंधन के पुनर्चक्रण हेतु 'फास्ट रिएक्टर ईंधन चक्र सुविधा' (एफआरएफसीएफ) नामक परियोजना दिनांक 03.07.2013 को 9589 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत की गई थी, जिसे भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बीएआरसी), इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केन्द्र (आईजीसीएआर), तथा नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र (एनएफसी), से प्राप्त की गई प्रौद्योगिकी एवं विशेषज्ञों के सहयोग से कार्यान्वित किए जाने की परिकल्पना की गई है। निर्माण कार्य, इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केन्द्र के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। 'फास्ट रिएक्टर ईंधन चक्र सुविधा' परियोजना की प्रगति की समीक्षा, तथा परिवर्तन हेतु सुझाव, यदि आवश्यक हो, हेतु विभिन्न स्तरों पर अनेक समितियाँ गठित की गई हैं। 'फास्ट रिएक्टर ईंधन चक्र सुविधा' (एफआरएफसीएफ) परियोजना के मामले में दिनांक 30 जून, 2015 तक किया गया व्यय 299.36 करोड़ रुपए है।**

इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केन्द्र, कलपाक्कम में ईंधन पुनर्संसाधन प्रदर्श संयंत्र (डीएफआरपी) को, प्रारंभ में दिनांक 27.03.2003 को 44.64 करोड़ रुपए के व्यय के साथ स्वीकृत किया गया, संभाव्यता को प्रमाणित करने और उसके साथ-साथ फास्ट रिएक्टर ईंधन पुनर्संसाधन की प्रक्रिया को वैधीकृत करने के लिए उसे दिनांक 22.03.2007 को संशोधित करके 88.62 करोड़ रुपए कर दिया गया। संयंत्र हेतु स्वीकृत संपूर्ण राशि व्यय की गई है।

(ग) **'फास्ट रिएक्टर ईंधन चक्र सुविधा' (एफआरएफसीएफ) इस प्रकार की पहली परियोजना है। इसकी आवधिक पुनरीक्षा, इस आकार की परियोजना के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, सांविधिक नियामक निकायों द्वारा की जाती है।**

प्रदर्श ईंधन पुनर्संसाधन संयंत्र (डीएफआरपी) हेतु अपेक्षित अनुमोदन पहले से मौजूद हैं तथा कमीशनिंग के दौरान नियामक अनुमतियाँ चरणबद्ध रूप से प्राप्त की जाती हैं।

(घ) **इस समय निर्माणाधीन 'फास्ट रिएक्टर ईंधन चक्र सुविधा' (एफआरएफसीएफ) परियोजना निर्धारित कार्यक्रमों के अनुसार नवम्बर, 2018 तक पूरी हो जाएगी। ईंधन पुनर्संसाधन प्रदर्श संयंत्र (डीएफआरपी) निर्माण तथा कमीशनिंग की प्रगत अवस्था में है, तथा यह संयंत्र मार्च, 2016 तक चालू हो जाएगा।**

******